

न्यायालय सहायक कलक्टर (उपखण्ड अधिकारी) रेलमगरा जिला राजसमन्द

(पीठासीन अधिकारी- शक्तिसिंह भाटी, आर०ए०एस०)

प्रकरण संख्या - 95/2017

दायर दिनांक - 10/11/2017

निर्णय दिनांक - 22/05/2018

अनवान

1. रतनलाल पिता भवरलाल गुर्जर निवासी मेणिया तहसील रेलमगरा
2. मांगीलाल पिता भवरलाल गुर्जर निवासी मेणिया तहसील रेलमगरा
3. लेहरी पत्नि भंवरलाल गुर्जर निवासी मेणिया तहसील रेलमगरा
4. सेधनी पुत्री भवरलाल गुर्जर निवासी मेणिया तहसील रेलमगरा

वादीगण

बनाम

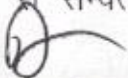
1. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार रेलमगरा जिला राजसमन्द

प्रतिवादी

वाद बाबत् इन्द्राज दुरुस्ती एवं घोषणा हेतू

:: निर्णय ::

वादीगण ने जरिये अधिवक्ता वाद बाबत् इन्द्राज दुरुस्ती एवं घोषणा का प्रस्तुत किया कि राजस्व ग्राम मेणिया की सीमा में वर्तमान खाता सं 142 की आराजी संख्या 636 रकबा 02-09 बीघा , आराजी संख्या 649 रकबा 01-15 बीघा , आराजी संख्या 657 स 02-03 बीघा कुल किता- 03 रकबा 06-07 बीघा पुश्तैनी जमीन मेरे पिता भंवरलाल के नाम पर दर्ज रेकार्ड हो हमारे द्वारा उक्त पर काश्त की जा रही है जिसके प्रमाण मे वर्तमान जमाबंदी साथ प्रस्तुत है। वादपत्र की कलम संख्या 01 मे वर्णित कृषि भूमियां हमारे पूर्वजो की होकर पीढी दर पीढी हमारे नाम पर चली आ रही है। जिस पर आज भी हमारे द्वारा कृषि कार्य किया जा रहा है। जो पिता भंवरलाल जी की मृत्यु हो जाने के बाद से वादीगण के द्वारा उक्त भूमि पर कब्जा करते चले आ रहे है। वादपत्र की कलम संख्या 01 में वर्णित कृषि भूमियां जो सम्वत् 2053 से 2056 तक भवरलाल पिता तारू के नाम पर दर्ज रेकार्ड होकर सम्वत् 2057-2060 में भवरलाल पिता नारू हो गया। जो रोटेशन दर रोटेशन सम्वत् 2060 से सम्वत् 2072 में भवरलाल पिता नारू दर्ज रिकार्ड है। जबकि सम्वत् 2053 से 2056 में

२) 

सहायक कलक्टर
(उपखण्ड अधिकारी)
रेलमगरा

भवरलाल पिता तारु सही नाम अंकित था जो वर्तमान में गलत हो जाने से हम वादीगण जो भवरलाल के वारिस हैं कि नाम पर नामान्तरित नहीं हो पाया। उक्त जानकारी हमें पटवारी महोदय के पास जाने पर पता चला कि हमारे खाता संख्या 127 में तो पिता की मृत्यु के पश्चात नामान्तरणकरण फैसला हो गया जबकि खाता संख्या 142 में वादीगण पूर्वज भवरलाल के पिता तारु के स्थान पर नारु दर्ज होने से उक्त नामान्तरणकरण वादीगण के नाम पर दर्ज रिकार्ड नहीं हो पाया जिससे उक्त आराजीयात में वादीगण के नामों की घोषणा कराना आवश्यक होने से उक्त घोषणा का वाद प्रस्तुत किया जा रहा है। वादी ने इस बाबत प्रतिवादी को नाम सुधारने हेतु कहा व इन्द्राज को दुरुस्त करने व राजस्व अभिलेख में सही अंकन करने बाबत कहा तो प्रतिवादी ने मना कर दिया व वाद के जरिये ही नाम सुधारने को कहा व अन्तिम बार आज से एक माह पूर्व वादी ने प्रतिवादी को अपना सही नाम अंकन राजस्व अभिलेख में अंकन करने हेतु कहा तो प्रतिवादी ने मना कर दिया। तब से अन्तिम बार वादी का वाद हेतु उत्पन्न होकर निरन्तर जारी है। वादी का वाद विरुद्ध राजस्थान राज्य तहसीलदार महोदय के विरुद्ध प्रस्तुत करने से पूर्व धारा 80 सीपीसी का सूचना पत्र देना होता है लेकिन प्रतिवादी ने मौखिक रूप से मना कर दिया व मामला वादी को लोन लेना आवश्यक को होने से आवश्यक प्रकृति का पाया जाने से धारा 80(2) का प्रार्थना पत्र वाद की स्वीकृति बाबत वाद पत्र के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः प्रार्थना है कि वादी का वाद विरुद्ध प्रतिवादी स्वीकार फरमाया जाकर प्रतिवादी के विरुद्ध निम्न आशय की डिक्री पारित फरमाई जावे कि वादपत्र की कलम संख्या 01 में वर्णित खाता संख्या 142 की आराजी संख्या 636 रकबा 02-09 बीघा , आराजी संख्या 649 रकबा 01-15 बीघा , आराजी संख्या 657 02-03 बीघा कुल किता-03 रकबा 06-07 बीघा में वादीगण के पिता भवरलाल पिता नारु के स्थान पर भवरलाल पिता तारु इन्द्राज को दुरुस्त करते हुए राजस्व अभिलेखों में अंकन फरमाया जाकर वादीगणों के नामों की घोषणा कराई जावे।

इस पर पत्रावली दर्ज रजिस्टर की जाकर प्रतिवादी को जरिये सम्मन तलब किया गया। पत्रावली प्रतिवादी के जवाब में नियत थी कि प्रकरण में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राजस्व लोक अदालत अभियान : न्याय आपके द्वार-2018 के तहत ग्राम

श. १०

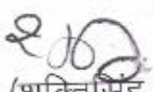
सहायक कलकटर
(उप खण्ड अधिकारी)

पंचायत सादडी पर रखा गया। दौराने शिविर वादीगण अधिवक्ता एवं प्रतिवादी पेरोकार सरकार उपस्थित। प्रतिवादी पेरोकार सरकार ने प्रकरण में जाहिर किया कि प्रकरण में वादी के पिता का नाम में संशोधन होकर राज्य सरकार पर कोई विपरित प्रभाव नहीं पडने से कोई आपत्ति नहीं होना जाहिर किया इस बाबत् प्रतिवादी ने फर्द अहकाम पर अपने हस्ताक्षर अंकित किये गये।

पक्षकारान को सुना गया। पत्रावली एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर जाहिर आया कि वादग्रस्त भूमि में जमाबन्दी संवत् 2053-56 तक भंवरलाल पिता तारु का नाम दर्ज रेकार्ड था किन्तु रोटेशन की जमाबन्दी संवत् 2057-60 में भंवरलाल पिता नारु का नाम दर्ज कर दिया गया तथा भंवरलाल के मृत्यु प्रमाण पत्र में भी उसके पिता का नाम तारु अंकित है। ऐसी स्थिति में वादी अपने वाद पत्र को दस्तावेजी साक्ष्य से सिद्ध करने में सफल रहे हैं।

अतः वादीगण का वाद बाबत् इन्द्राज दुरुस्ती एवं घोषणा का स्वीकार किया जाकर ग्राम मेणिया की सीमा में वर्तमान खाता सं 142 की आराजी संख्या 636 रकबा 02-09 बीघा , आराजी संख्या 649 रकबा 01-15 बीघा , आराजी संख्या 657 स 02-03 बीघा कुल किता- 03 रकबा 06-07 बीघा में खातेदार भंवरलाल पिता नारु गुर्जर के नाम बजाय भंवरलाल पिता तारु गुर्जर के नाम से खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। तहसीलदार रेलमगरा इसी अनुसार राजस्व रेकार्ड में सही अंकन करावें। पालनार्थ तहसीलदार रेलमगरा को पालनार्थ लिखा जावें। इसी अनुरूप डिक्री पर्चा कायम हो। पत्रावली फैसल शुमार हो नम्बर से कम की जावें।

निर्णय आज दिनांक 22/05/2018 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर कैम्प सादडी पर सुनाया गया।


(शक्तिसिंह भाटी)
सहायक कलक्टर
(उप खण्ड अधिकारी)
रेलमगरा